अमृत कलश टाइम्स

http://amritkalashtimes.com

वर्ष : 18
अंक : 50

प्रयागराज बुधवार 06 नवम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

'पीएम मोदी ने राजभाषा का बढ़ाया गौरव'

● शाह ने दिया हिंदी उत्थान पर जोड़, पांच साल में दुनिया का सबसे समृद्ध शब्दकोष बनेगा शब्द सिंधु

नई दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्रीय हिंदी समिति की 32वीं बैठक की अध्यक्षता की। जिस दौरान उन्होंने कहा कि हिंदी शब्दसिंधु शब्दकोष का निर्माण है, जो अगले पांच वर्ष में विश्व का सबसे समृद्ध शब्दकोष बनेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हिंदी को सशक्त बनाने के लिए पिछले पांच साल में तीन बड़े कार्य किए गए। इनमें पहला हिंदी शब्दसिंधु शब्दकोष का निर्माण है, जो अगले पांच वर्ष में विश्व का सबसे समृद्ध शब्दकोष बनेगा। इसके अलावा तकनीक का इस्तेमाल कर अनुवाद की पहल के लिए भारतीय भाषा अनुभाग की स्थापना हुई और देश के विभिन्न हिस्सों में राजभाषा सम्मेलन आयोजित करने की शुरुआत हुई, जिससे राजभाषा के महत्व को समझने में सरलता होगी। अमित शाह ने की हिंदी समिति की 32वीं बैठक की अध्यक्षता गृह मंत्री शाह ने यह बात केंद्रीय हिंदी समिति की 32वीं बैठक की अध्यक्षता के दौरान कही। उन्होंने कहा, जब तक हम सभी भारतीय भाषाओं को मजबूत नहीं करेंगे तब तक आगे नहीं बढ़ सकते। उन्होंने हिंदी को सशक्त बनाने के लिए दो बड़े कार्य किए जाने की जरूरत भी बताई। उन्होंने कहा कि पहली यह कि हिंदी साहित्य को मजबूत करने, संजोने और व्याकरण के लिए दीर्घकालीन नीति बनाई जाए। दूसरा, आधुनिक शिक्षा के सभी पाठ्यक्रमों का हिंदी सहित सभी भारतीय भाषाओं में अनुवाद करने की भी जरूरत है। गृह मंत्री ने हिंदी को सर्वस्वीकृत और लचीली बनाने पर भी जोर दिया। पीएम मोदी ने राजभाषा का बढ़ाया गौरव– शाह शाह ने यह भी कहा कि पीएम मोदी ने हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर हिंदी में अपने विचार व्यक्त कर राजभाषा का गौरव बढ़ाने का काम किया है। देश में इंजीनियरिंग, मेडिकल, प्राथमिक और सेकंडरी शिक्षा भारतीय भाषाओं में उपलब्ध होने से सभी भाषाओं के विकास के लिए अनुकूल वातावरण बना है। केंद्रीय हिंदी समिति प्रचार–प्रसार के संबंध में दिशा–निर्देश देने वाली सर्वोच्च समिति है।

झारखंड की रैली में झामुमो पर बरसे योगी आदित्यनाथ, ये समय बंटने का नहीं

एक रहिए, नेक रहिए

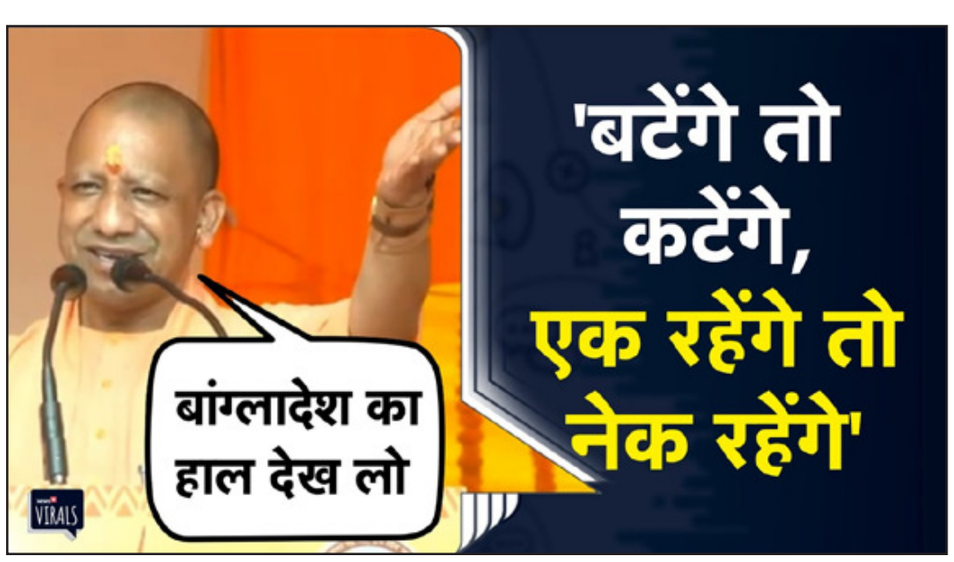

रांची,(एजेंसी)। रैली में योगी आदित्यनाथ ने लोगों से एकजुट रहने की अपील की और कहा कि एक रहिए, नेक रहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये समय बंटने का नहीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को झारखंड में भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं। इस दौरान एक रैली में योगी आदित्यनाथ ने लोगों से एकजुट रहने की अपील की और कहा कि

● औरंगजेब ने देश को लूटा और मंत्री आलमगीर ने झारखंड को, हेमंत सरकार पर योगी के तीखे प्रहार

एक रहिए, नेक रहिए। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये समय बंटने का नहीं है। अपने संबोधन के दौरान योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस नेता आलमगीर आलम की तुलना औरंगजेब से कर डाली और कहा कि जिस तरह से मुगल बादशाह औरंगजेब ने देश को लूटा था, उसी तरह से आलमगीर आलम ने राज्य को लूटा। आलमगीर आलम पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे थे और उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। हजारीबाग की रैली में लोगों से की एकजुट रहने की अपील हजारीबाग में एक रैली के दौरान योगी आदित्यनाथ ने लोगों से एकजुट रहने की अपील करते हुए कहा कि श्हमें जातियों में नहीं बंटना है, जब भी बटे हैं तो कटे हैं।श सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्अपनी ताकत का एहसास कराइए। विपक्ष और कांग्रेस लोगों को बांटने का काम करती हैं।श वहीं झारखंड के कोडरमा में आयोजित एक अन्य रैली में योगी आदित्यनाथ ने लोगों से भाजपा को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि भाजपा, देश की सुरक्षा, रोजगार, स्वाभिमान, महिला सशक्तिकरण की गारंटी है। भाजपा विकास और विरासत के बीच समन्वय की गारंटी है। आज प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में अयोध्या में दीपोत्सव हो रहा है। 500 वर्षों के बाद ऐसा हो रहा है। श्माफिया का इलाज भाजपा ही कर सकती हैश योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ये चुनाव उन लोगों को जवाब देने का मौका है, जिन्होंने राज्य के लोगों को धोखा दिया।

रायबरेली में राहुल गांधी

नौ सड़कों का किया लोकार्पण, शहीद चौक का भी उद्घाटन किया

रायबरेली,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी मंगलवार को रायबरेली पहुंचे जहां उन्होंने कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। उन्होंने जिले में नौ नई सड़कों का लोकार्पण किया। नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली सांसद राहुल गांधी मंगलवार को दिशा की बैठक में शामिल हुए। इससे पहले वह लखनऊ–रायबरेली सीमा पर बने चुरुवा हनुमान मंदिर सुबह 10.09 बजे पहुंचे। जहां उन्होंने हनुमान जी के दर्शन किए और बछरावां पहुंचे जहां कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद सुबह 10.45 बजे वह रायबरेली शहर पहुंचे जहां फिरोज गांधी डिग्री कालेज चौराहा पर बने शहीद चौक का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने 70.900 किमी की नौ सड़कों का लोकार्पण किया। यह सड़कें प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना से बनाई गई हैं। एफडीआर तकनीक का उपयोग सड़क निर्माण में हुआ है। 5367.88 लाख की लागत से सड़कों का निर्माण कराया गया है। सांसद सड़कों का लोकार्पण करने के बाद बचत भवन में आयोजित दिशा (जिला अनुश्रवण समिति) की बैठक में पहुंचे। वहीं, कांग्रेसियों को पुलिस ने राहुल गांधी से भेंट तक नहीं करने दी, जिसे लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने फिरोज गांधी चौराहा पर हंगामा भी किया। सांसद की सुरक्षा को देखते हुए कलेक्ट्रेट को छावनी में तब्दील किया गया है। किसी को भी कलेक्ट्रेट परिसर में घुसने की इजाजत नहीं दी गई है।

यूपी मदरसा कानून पर 'सुप्रीम' मुहर

● सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला पलटा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 22 मार्च के अपने फैसले में कानून को संविधान के खिलाफ और धर्मनिरक्षेता के सिद्धांत के खिलाफ बताया था। हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से मदरसा में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों को नियमित स्कूलों में दाखिला देने का निर्देश दिया था। मदरसों में पढ़ने वाले 17 लाख से अधिक छात्रों को राहत देते हुए सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ ने 5 अप्रैल को हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने श्उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम 2004श की संवैधानिक वैधता बरकरार रखी है। कोर्ट ने कहा कि यह धर्मनिरपक्षेता के सिद्धांत का उल्लंघन नहीं करता। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यह व्यवस्था देकर गलती की कि मूल ढांचे यानी धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन करने के कारण उत्तर प्रदेश मदरसा कानून को खारिज करना होगा। कोर्ट ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 22 मार्च के फैसले को उस खारिज कर दिया, जिसमें यूपी मदरसा अधिनियम को रद्द कर दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि यूपी मदरसा अधिनियम केवल इस हद तक असंवैधानिक है कि यह फाजिल और कामिल के तहत उच्च शिक्षा की डिग्री प्रदान करता है, जो यूजीसी अधिनियम के विपरीत है। कोर्ट ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम की विधायी योजना मदरसों में दी जा रही शिक्षा के स्तर के मानकीकरण के लिए है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले में क्या? इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को दरकिनार कर प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने राज्य के मदरसों को एक बड़ी राहत दी। प्रधान न्यायाधीश ने फैसला सुनाते हुए कहा कि हम उत्तर प्रदेश मदरसा कानून की वैधता बरकरार रखते हैं। एक बात यह भी है कि यदि राज्य के पास विधायी शक्ति नहीं है, केवल तभी किसी कानून को खारिज किया जा सकता है। फैसले से किसे राहत? फैसला उत्तर प्रदेश के मदरसों के अध्यापकों एवं विद्यार्थियों के लिए एक बड़ी राहत है। ऐसा इसलिए, क्योंकि उच्च न्यायालय ने इन मदरसों को बंद करने और वहां पढ़ रहे विद्यार्थियों को राज्य के अन्य विद्यालयों में दाखिला देने का आदेश दिया था। क्या है मामला? दरअसल, उत्तर प्रदेश मदरसा कानून को असांविधानिक बताने वाले इलाहाबाद हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को फैसला सुनाया। कोर्ट ने इस कानून को पूरी तरह से वैध करार दिया है। कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को खारिज करते हुए कानून को मान्यता दे दी है। इससे पहले मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने 22 अक्तूबर को हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

यह चुनाव जनता की सरकार और पीएम को खुश करने वालों के बीच: कांग्रेस

रांची,(एजेंसी)। झारखंड में हो रहा विधानसभा चुनाव ऐसी सरकार के बीच का मुकाबला है, जहां एक लोगों के लिए काम करती है और दूसरी प्रधानमंत्री और उनके मित्रों को खुश करने के लिए।ष झारखंड में विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज है। इस बीच राज्य में झामुमो के नेतृत्व वाले गठबंधन की साथी कांग्रेस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बहाने भाजपा पर निशाना साधा। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि झारखंड में भाजपा सरकार ने 2015 में पावर प्लांट लगाने में अदाणी समूह को फायदा पहुंचाया। कांग्रेस ने कहा कि झारखंड में यह मुकाबला लोगों के लिए काम करने वाली सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खुश करने वालों के बीच है। एक्स पर पोस्ट में कांग्रेस के महासचिव जयराम रमेश ने कहा, ष्वर्ष 2015 के जून महीने में मोदानी ग्रुप ने झारखंड में गोड्डा जिले के दस गांवों में कोयला आधारित बिजली संयंत्र स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की थी। झारखंड में तत्कालीन भाजपा राज्य सरकार के पूर्ण सहयोग से, स्थानीय किसानों से 1,255 एकड़ तक भूमि का अधिग्रहण किया गया। इस प्रक्रिया के दौरान बल प्रयोग और डराने–धमकाने की कई रिपोर्ट्स आईं।ष उन्होंने कहा, ष्लॉन–बायोलॉजिकल प्रधानमंत्री की सरकार ने इस प्रोजेक्ट में प्रधानमंत्री के पसंदीदा टेम्पो–वाले की मदद करने का हर संभव प्रयास किया– जल्दबाजी में मंजूरी देने से लेकर बिजली संयंत्र को एसईजेड घोषित करने तक। हाल ही में, बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन होने के बाद – जो पहले एक विवादास्पद समझौते के माध्यम से इस संयंत्र से बिजली खरीद रहा था।

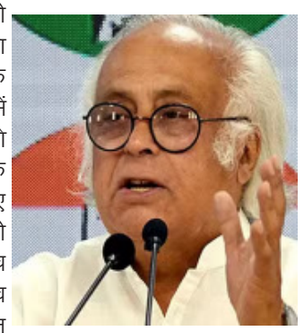

शरद पवार का चुनावी राजनीति से संन्यास का संकेत

● कहीं तो रुकना पड़ेगा, अब चुनाव नहीं लड़ूंगा, नए लोगों को चुनकर आना चाहिए

मुंबई,(एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेता शरद पवार ने कहा कि श्अब तक 14 बार चुनाव लड़ा हूं, सत्ता नहीं चाहिए, बस समाज के लिए काम करना चाहता हूं। एनसीपी एसपी के प्रमुख शरद पवार ने ऐसे संकेत दिए हैं कि वे अब कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे। शरद पवार ने कहा कि कहीं तो रुकना पड़ेगा। महाराष्ट्र चुनाव से पहले शरद पवार का यह बड़ा बयान सामने आया है। शरद पवार ने कहा कि श्मैं कोई चुनाव नहीं लड़ना चाहता। चुनाव को लेकर मुझे अब रुकना चाहिए और नई पीढ़ी को आगे आना चाहिए।श पूर्व केंद्रीय मंत्री और महाराष्ट्र की राजनीति के दिग्गज नेता शरद पवार ने कहा कि श्अब तक 14 बार चुनाव लड़ा हूं, सत्ता नहीं चाहिए, बस समाज के लिए काम करना चाहता हूं। शरद पवार ने अपने बारामती दौरे के दौरान कहा, "मैं सत्ता में नहीं हूं। मैं राज्यसभा में हूं। मेरे पास अभी भी डेढ़ साल का वक्त बाकी है। डेढ़ साल बाद मुझे सोचना होगा कि राज्यसभा जाऊं या नहीं। लोकसभा तो मैं नहीं लड़ूंगा। कोई भी चुनाव नहीं लड़ूंगा। कितने चुनाव लड़े जाएं? अब तक 14 चुनाव हो चुके हैं। आपने एक बार भी घर नहीं बैठाया मुझे। हर बार मुझे निर्वाचित कर रहे हैं तो कहीं तो थमना ही चाहिए। मैंने इस सूत्र पर काम करना शुरू कर दिया है कि नई पीढ़ी को अब आगे आना चाहिए। बारामती को नए नेतृत्व की जरूरतरू पवार इस बीच शरद पवार ने बारामती में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के काम को सराहा, लेकिन उन्होंने जोर देकर कहा कि अगले तीन दशकों तक इस क्षेत्र के विकास के लिए नए नेतृत्व की जरूरत है। शरद पवार अपने भतीजे एनसीपी (एसपी) उम्मीदवार युगेंद्र पवार के लिए प्रचार कर रहे थे।

युगेंद्र 20 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनावों में अपने चाचा अजित पवार के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे।

शफिर परिवार के बीच लड़ाईश बारामती के शिरसुफल में एक सभा को संबोधित करते हुए शरद पवार ने कहा कि इस साल की शुरुआत में बारामती लोकसभा सीट के लिए मुकाबला कठिन था, क्योंकि यह परिवार में लड़ा गया।

दिल्ली में छठ पर्व पर रहेगा एक दिन का अवकाश: सीएम

नई दिल्ली,(एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में छठ पर्व को लेकर सात नवंबर को अवकाश रहेगा। दिल्ली सरकार की तरफ से जल्द ही अवकाश को लेकर नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। राजधानी दिल्ली में छठ पर्व को लेकर सात नवंबर को अवकाश रहेगा। दिल्ली सरकार की तरफ से जल्द ही अवकाश को लेकर नोटिफिकेशन जारी किया जाएगा। सीएम अतिशी ने कहा कि छठ पर्व पर भव्य आयोजन किए जाएंगे। एलजी के प्रस्ताव को सीएम आतिशी ने हरी झंडी दिखा दी है। इससे पहले एलजी वीके सक्सेना ने सीएम आतिशी को एक चिट्ठी लिखी थी जिसमें छठ के दिन छुट्टी की मांग की गई थी। इससे पहले दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने मुख्यमंत्री आतिशी को पत्र लिखकर सात नवंबर को दिल्ली में सार्वजनिक अवकाश घोषित करने का आग्रह किया था, इस पर मुख्यमंत्री आतिशी ने ट्वीट कर जानाकरी दी कि मुझे यह बताते हुए खुशी है कि दिल्ली सरकार ने फैसला लिया है कि सात नवंबर को छठ के त्यौहार की छुट्टी होगी, ताकि सभी पूर्वांचली भाई–बहन धूम–धाम से छठ का त्यौहार मना सकें। पत्र में उपराज्यपाल ने लिखा था, कुछ ही दिनों में हम छठ मना रहे होंगे। आस्था का यह महापर्व चार दिनों तक मनाया जाता है, जिसमें तीसरा दिन जब अस्ताचल सूर्य भगवान को अर्घ्य अर्पित किया जाता है, सबसे महत्वपूर्ण है। इस साल सात नवंबर को पड़ने वाला यह दिन पहले से प्रतिबद्ध अवकाश के रूप में घोषित है। मेरा आग्रह है कि सरकार सात नवंबर को पूर्णकालिन अवकाश के रूप में घोषित करे और इससे संबंधित फाइल शीघ्रातिशीघ्र प्रेषित की जाए।

'न्यायपालिका की आजादी का मतलब हमेशा सरकार के खिलाफ फैसले देना नहीं'

● सीजेआई बोले- समाज बदल गया है

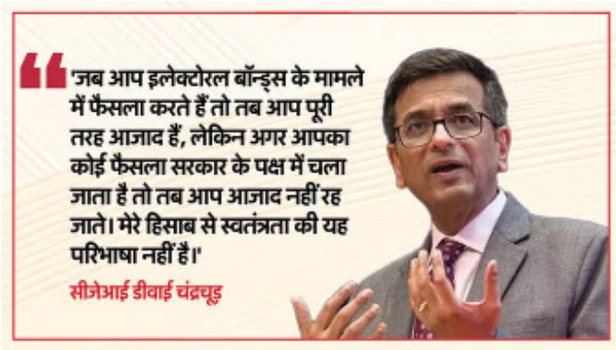

नई दिल्ली,(एजेंसी)। दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि जब उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड्स के मामले में केंद्र सरकार के खिलाफ फैसला दिया था तो उन्हें निष्पक्ष बताया गया था। देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब ये नहीं है कि हमेशा सरकार के खिलाफ ही फैसले दिए जाएं। मुख्य न्यायाधीश ने लोगों से जजों के फैसलों में विश्वास रखने की अपील की, साथ ही इस बात पर जोर दिया कि न्यायिक व्यवस्था का निष्पक्ष रहना बेहद जरूरी है। क्या बोले सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि जब उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड्स के मामले में केंद्र सरकार के खिलाफ फैसला दिया था तो उन्हें निष्पक्ष बताया गया था। सीजेआई ने कहा कि श्जब आप इलेक्टोरल बॉन्ड्स के मामले में फैसला करते हैं तो तब आप पूरी तरह आजाद हैं, लेकिन अगर आपका कोई फैसला सरकार के पक्ष में चला जाता है तो तब आप आजाद नहीं रह जाते। मेरे हिसाब से स्वतंत्रता की यह परिभाषा नहीं है।श उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने 15 फरवरी 2024 को इलेक्टोरल बॉन्ड्स योजना को असंवैधानिक बताते हुए इसे बंद करने का आदेश दिया था। इस योजना के तहत राजनीतिक पार्टियों को फंडिंग मिलने का प्रावधान था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की संवैधानिक पीठ ने इस योजना को खारिज कर दिया था। सोशल मीडिया के जरिए बनाया जाता है दबाव मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि श्न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मतलब सरकार के प्रभाव से आजादी है, लेकिन सिर्फ ये ही एक चीज नहीं है, जिससे न्यायापालिका आजाद मानी जाएगी। हमारा समाज बदल गया है। खासकर सोशल मीडिया का इस पर गहरा प्रभाव पड़ा है। और अब ऐसे समूह बन गए हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का इस्तेमाल कर अदालतों पर दबाव बनाते हैं और अपने पक्ष में फैसले कराने की कोशिश करते हैं।श मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कई समूह ऐसे हैं, जो न्यायपालिका की तब ही आजाद मानते हैं, जब उनके पक्ष में फैसला होता है। एक जज को स्वतंत्र होना चाहिए और अपने विवेक के आधार पर फैसले करने चाहिए और बेशक उनके फैसले कानून और संविधान के आधार पर होने चाहिए। गौरतलब है कि मुख्य न्यायाधीश आगामी 10 नवंबर को अपने पद से रिटायर हो रहे हैं।

डरता नहीं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ऐतिहासिक लाल किले की प्राचीर से 11वीं बार देश को संबोधित किया। पीएम मोदी के भाषण में कहा गया कि भारत बाधाओं, रुकावटों और चुनौतियों को परास्त करते हुए नये संकल्प के साथ चलने के लिए प्रतिबद्ध है।प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के संकल्प को पूरे देश का समर्थन मिलना चाहिए। लेकिन आज विपक्ष सरकार की नीतियों और कार्यों को लेकर जिस तरह आक्रामक है, उससे यह लक्ष्य काफी दूर नजर आ रहा है। 2047 तक भारत को विकसित बनाने की राह में भ्रष्टाचार दूसरी सबसे बड़ी बाधा है।

प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। उन्होंने दुख प्रकट करते हुए कहा कि देश में कुछ ऐसे लोग हैं, जो भ्रष्टाचार का महिमामंडन कर रहे हैं। लेकिन प्रधानमंत्री एक ओर भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई जारी रखने की बात कर रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर उनकी पार्टी में ऐसे राजनीतिक नेता शामिल किए जाते रहे हैं, जिन पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। जाहिर है कि ऐसे कृत्यों से जनता में संदेश जाता है कि सरकार कहती कुछ है, और करती कुछ और है।प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कुछ ऐसे राजनीतिक एजेंडे भी सेट किए जिन पर आने वाले दिनों में सियासत गर्म होगी। उन्होंने कहा कि इस समय देश में जो सिविल कोड है, वह वास्तव में कम्युनल है, भेदभाव करने वाला है। हमें सेक्युलर सिविल कोड की ओर जाना होगा। यूनिफॉर्म सिविल कोड भाजपा का पुराना मुद्दा है। काफी संवेदनशील है और एनडीए के सहयोगी दल जदयू और तेलुगू देशम सिविल कोड को लेकर असहज हो सकते हैं।अन्य विपक्षी दलों में इसे लेकर मतैक्य बनाना आसान नहीं होगा। आने वाले दिनों में ही स्पष्ट होगा कि इस पर सरकार और विपक्ष के बीच सहमति बन पाती है या नहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने नाम लिए बिना कोलकाता में महिला डॉक्टर के साथ रेप और हत्या की चर्चा की। कहा कि समाज के तौर पर हमें महिलाओं पर हो रहे अत्याचारों के बारे में गंभीरता से सोचना होगा।उन्होंने नई शिक्षा नीति के संबंध में ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करने की बात कही जिससे देश के नौजवानों को विदेश न जाना पड़े। प्रधानमंत्री ने डिफेंस सेक्टर को आत्मनिर्भर बनाने पर जोर दिया। सेना की प्रशंसा करते हुए कहा कि देश की सेना सर्जिकल स्ट्राइक करती है तो सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है।प्रधानमंत्री मोदी ने देश को आश्वस्त किया कि देश तीसरी बड़ी इकॉनमी बनेगा तो मैं तीन गुना गति से काम भी करूंगा। मैं चुनौतियों से टकराने से डरता नहीं हूं क्योंकि आपके और आपके भविष्य के लिए जीता हूं।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाःआज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

पुण्य श्लोक महारानी अहिल्याबाई होल्कर

शिवप्रकाश

पुण्यश्लोक महारानी अहिल्याबाई होल्कर की संपूर्ण देश 300वीं जन्म–जयंती मना रहा है। अनेक सामाजिक संस्थाएं एवं महिला संगठन उनके जयंती वर्ष में उनके अलग–अलग गुणों को प्रकट करने वाले कार्यक्रम एवं गोष्ठियों का आयोजन कर रहे हैं । अनेक सरकारें भी महारानी अहिल्याबाई के सुशासन, नगरीय विकास, रोजगारपरक उद्योग नीति जैसे विषयों पर संवाद आयोजित कर रही हैं। महारानी का जीवन एवं शासन शैली संवेदनशील, सादगी, सहजता, धर्मनिष्ठ, न्यायप्रिय एवं लोक कल्याणकारी थीं। इन्हीं गुणों के कारण उनकी प्रजा उन्हें सदैव लोकमाता के रूप में देखती थी। उनके अप्रतिम गुणों को देखकर ब्रिटिश इतिहासकार जॉन केयस ने उन्हें ष्दार्शनिक रानीष (ञ्जद्धद्ग क्कद्धद्बद्यशह्यशश्चद्धद्गह्म् क्तह्वद्गद्गठ्ठ) की उपाधि दी ।

अहिल्याबाई पिता मंकोजीराव शिंदे एवं माता सुशीलाबाई के परिवार में 31 मई 1725 को जन्मी थीं। उनका जन्मस्थान चौंडी (अहमदनगर, महाराष्ट्र) था, जो अब अहिल्यानगर के नाम से ही परिवर्तित हो गया है। धनगर जाति में जन्म लेने के बाद भी उनकी प्रतिभा को पहचानकर पेशवा बाजीराव एवं मल्हारराव होल्कर दोनों के परस्पर परामर्श के उपरान्त अहिल्याबाई का विवाह मल्हारराव ने अपने पुत्र खंडेराव के साथ संपन्न कराया । युद्ध में वीरगति प्राप्त होने के कारण उनको पति वियोग सहना पड़ा । अपने जीवन काल में उन्होंने श्वसुर मल्हार राव होल्कर, नवासे (पुत्री के पुत्र) एवं पुत्री सभी की असमय मृत्यु को देखा। इसी असहय वेदना को सहते– सहते वे स्वयं भी 70 वर्ष की उम्र में 1795 में संसार छोड़कर चली गई।

पति की मृत्यु के पश्चात अपने श्वसुर के आग्रह पर उन्होंने राजकाज सम्हालना प्रारंभ किया। उनका शासन प्रजावत्सल, न्यायप्रिय, सुशासन का प्रतीक था। अपनी धर्म के प्रति भक्ति के कारण उन्होंने अपनी राजधानी इंदौर से परिवर्तित कर पवित्र नदी नर्मदा के किनारे महेश्वर में स्थानांतरित की । उनका महेश्वर में राजधानी स्थानान्तरित करने का उद्देश्य था कि राज्य संचालन के साथ–साथ वह माँ नर्मदा की सेवा एवं आराधना कर सकें । माँ नर्मदा के किनारे उनका महल एक सर्वस्व त्यागी सन्यासिनी का महल था । जिसमें उन्होंने अपनी आयु के 28 वर्ष व्यतीत किए थे।देश की सरकारें वर्तमान समय में अपनी आर्थिक नीतियों के केंद्र में समाज के जिस पिछड़े वर्ग के उत्थान एवं लघु उद्योग केंद्रित नीतियों का विचार करती हैं, आज से लगभग 300 वर्ष पूर्व महारानी अहिल्याबाई होल्कर ने इस दूरदृष्टि का परिचय देते हुए 1745 में एक राजज्ञा द्वारा बुनकर, सुतार, कारीगरों से महेश्वर में निवास करने का आग्रह किया । आर्थिक विकास की दिशा में उनके द्वारा की गई अनेक पहल में से एक महेश्वर में निर्मित साड़ी आज भी संपूर्ण विश्व में प्रसिद्ध है , जिसे महेश्वरी साड़ी के नाम से जाना जाता है । इस उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए वह स्वयं भी वहाँ निर्मित वस्त्र पहनती थी एवं देश– विदेश से आने वाले महानुभावों को भेंट स्वरूप इन्हीं वस्त्रों को प्रदान भी करती थीं । प्राकृतिक आपदा में किसानों का सहयोग, सेना के आवागमन से होने वाली फसलों की क्षतिपूर्ति की व्यवस्था भी उन्होंने की थी । आत्मनिर्भरता के साथ–साथ शिक्षा का केंद्र महेश्वर बने इसके लिए विद्वानों, धर्माचार्यों को बुलाकर संस्कृत पाठशाला प्रारंभ करने का कार्य भी उनके द्वारा हुआ।मल्हारराव के युद्ध अभियानों पर जाने के उपरांत महारानी अहिल्याबाई राज्य का संचालन भी कुशलता के साथ करती थीं। पत्राचार के माध्यम से मल्हार राव को अपने राज्य के समाचार भेजना एवं प्रत्युत्तर में राज्य संचालन के लिए सुझाव लेना यह उनकी नियमित प्रक्रिया थी । सेवा एवं रसद सामग्री का प्रबंध, कर वसूली आदि की व्यवस्था बड़ी निपुणता के साथ उन्होंने की थी ।

महारानी स्त्री होने के बाद भी न केवल राज्य संचालन में निपुण बल्कि एक कुशल योद्धा भी थीं। बचपन में ही सैन्य शिक्षा, घुड़सवारी, शस्त्र संचालन उन्होंने सीखा था । राघोवा के आक्रमण के समय अपने राज्य की रक्षा के लिए कूटनीति का परिचय देते हुए उन्होंने पुराने संबंधों के आधार पर सिंधिया, भोंसले, गायकवाड आदि का सहयोग माँगा । राघोवा को उचित दंड देने के लिए 500 महिलाओं की सैन्य टुकड़ी को प्रशिक्षित भी किया । राघोवा को उनके द्वारा लिखा पत्र आज भी उनकी कूटनीतिक

दूरदर्शिता को प्रकट करता है, जिसमें उन्होंने लिखा कि ष्आप मुझे अबला समझकर राज्य हड़पने के लिए यहां आए हैं लेकिन मेरी शक्ति आपको युद्ध क्षेत्र में ज्ञात होगी । मैं महिला सेना के साथ आपका मुकाबला करूंगी । यदि मैं युद्ध में पराजित हो गई तब मेरी हंसी और आपकी प्रशंसा कोई नहीं करेगा और यदि आप युद्ध में हार गए तो आप कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं रहेंगे ।ष केवल राघोवा ही नहीं अपने राज्य की सीमाओं पर राजस्थान की ओर से मिलने वाली चुनौती का भी उन्होंने साहस के साथ सामना कर शत्रु को कुचलने का कार्य किया । सेना का संचालन, सैनिकों की चिकित्सा आदि भी उन्होंने कुशलता के साथ की । नाना फड़नवीस ने उनकी प्रशंसा करते हुए कहा था कि ष्अब तक देवी अहिल्याबाई की धार्मिकता की प्रशंसा तो हम सुनते आए हैं मगर हम नहीं जानते थे कि वह बहादुर भी हैं अपने शत्रुओं के दांत खट्टे कर सकती हैं। महारानी अहिल्याबाई का शासन कठोर एवं न्यायप्रिय शासन था । उन्होंने जाति–पाति, ऊँच – नीच के भेदभाव से ऊपर उठकर चोरों के भय से जनता को मुक्ति प्रदान करने वाले नौजवान से अपनी पुत्री का विवाह किया । गरीब एवं कमजोर लोगों की सेवा में वह हमेशा तत्पर रहती थी। पति की मृत्यु के पश्चात् पति की संपत्ति पर पूर्ण अधिकार की व्यवस्था एवं स्त्री को दत्तक लेने का अधिकार देना यह उनके महिला सशक्तिकरण के उदाहरण हैं । उनके राज्य में रहने वाले भीलों (जनजाति) को अपराध मुक्त करने के लिए कृषि के औजार उपलब्ध करकर सशक्त करने का कार्य उन्होंने किया। अपराध करने पर कठोर दंड एवं समस्याओं का त्वरित समाधान यह उनके शासन की विशेषता थी । पक्षपात रहित सभी को समान न्याय उनके शासन में था । इसके लिए अपने सेनापति के पुत्र को भी अपराध करने पर उन्होंने जेल में डलवा दिया था। प्रजा को न्याय दिलाने के लिए न्यायालय एवं न्यायाधीशों की नियुक्ति उन्होंने की थी। अपने राज्य कर्मचारियों के प्रति संवेदनशील एवं आत्मीयतापूर्ण व्यवहार, युद्ध में वीरगति पाने वाले सैनिक परिवारों के कल्याण की व्यवस्था को राज्य कोष से करने का प्रबंध उन्होंने किया था। अपने प्रति कठोर जीवन जीते हुए, प्रजा का पुत्र की तरह पालन, लोक कल्याण की योजनाएं एवं न्यायप्रियता के कारण उनको लोकमाता की उपाधि मिली ।

राज्य संचालन में अनेक गुण होने के बाद भी उनका शासन मूलतरू धर्म अधिष्ठित शासन था । जहां उनके व्यक्तिगत जीवन में सेवा, त्याग –तपस्या एवं दान का महत्व था वहीं उन्होंने मंदिरों के जीर्णोद्धार, उनकी स्थायी आर्थिक व्यवस्था, यात्रियों के लिए विश्राम स्थल एवं अन्न क्षेत्र स्थापित कराए। अपना राज्य भगवान शिव को समर्पित कर वह उनके प्रतिनिधि के रूप में शासन चलातीं थी। हिमालय में स्थित भगवान बद्रीनाथ, केदारनाथ , दक्षिण में रामेश्वरम, पश्चिम में द्वारिका से लेकर पूर्व में जगन्नाथ पुरी तक उनके द्वारा चलाएं सेवा कार्य आज भी प्रसिद्ध है । तीर्थ स्थानों पर गंगाजल भिजवाने की व्यवस्था देश को एक सूत्र में बांधती दिखाई देती है । काशी विश्वनाथ मंदिर के जीर्णोद्धार सहित देश के लगभग समस्त तीर्थक्षेत्रों के विकास, हरिद्वार के गंगा घाटों सहित देश भर की नदियों के किनारे सैकड़ो स्थानों पर उन्होंने पक्के घाटों का निर्माण कराकर तीर्थ यात्रियों के लिए उचित स्नान की व्यवस्था करायी। समस्त अगणित धार्मिक कार्य वह अपने भाग में प्राप्त संपत्ति के द्वारा कराती थी । वह दीन– दुखी, गरीबों के लिए समर्पित निष्ठावान कर्मयोगी थी।

दक्षिण के प्रसिद्ध इतिहासकार रायबहादुर चिंतामणि विनायक वैद्य ने महारानी के संदर्भ में लिखा है कि वह लोकोत्तर स्त्री अपने अनेक गुणों के कारण महाराष्ट्र के लिए ही नहीं वरन् समूची मानवजाति के लिए भूषण रूप हुई है । इंदौर में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी अपने उद्बोधन में कहा था कि ष्मैं देवी अहिल्याबाई को भी नमन करता हूं उनका पुण्य स्मरण करता हूं। देवी अहिल्याबाई ने शासन संचालन में छोटी–छोटी आवश्यकताओं को प्राथमिकता दी, उनके जीवन का एक–एक अध्याय इतना प्रेरक होता है कि आने वाली पीढ़ियों को उनसे सीख मिलती रहेगी । लोकमाता महारानी अहिल्याबाई के जीवन से प्रेरणा लेकर उनकी 300 वीं जयंती के अवसर पर हम उनके दिखाये मार्ग का अनुसरण करते हुए एकात्म, समृद्ध, समरस एवं शक्तिशाली भारत का निर्माण करें तथा अपनी सांस्कृतिक विरासत पर गर्व करते हुए विश्व कल्याण करने का संकल्प लें । महारानी अहिल्याबाई होल्कर को उनकी 300वीं जन्म–जयंती पर यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी ।

भारतीय संस्कृति की वाहक है लोकगाथाएं

प्रो. साकेत कुशवाहा

लोककथाएं और लोकपरम्पराएं किसी भी सभ्यता और संस्कृति की अभिव्यक्ति होती है क्योंकि इनके माध्यम से पूर्ववत चली आ रही सामाजिक धरोहर को आगामी पीढ़ी को कई गतिविधियों के माध्यम से प्रदर्शित किया जाता है । भारत लोककथाओं से सम्पन्न देश है जिसमें प्रत्येक क्षेत्र और उस क्षेत्र के निवासियों की अलग–अलग लोककथाएं है जिनका स्मरण और संरक्षण करना आवश्यक है । लोक कथाएं वो कहानियाँ होती है जिनका निर्माण और उत्पन्न स्थान बात पाना कठिन होता है क्योंकि ए कथाएं पीढ़ी दर पीढ़ी चलती रहती है । लोक संस्कृति में व्याप्त लोकगीत, लोकनृत्य, लोकगाथा, लोककथा जनजातियों के प्रतिरूप है। जिसके द्वारा जनजातियों का परिचय स्वभाविक रूप से हो जाता है। जनजातियों में प्रचलित लोक कथाएं जनजातीय संस्कृति के दर्पण है। जिसमें उनकी संस्कृति, परम्परा, खान–पान, रहन–सहन, तीज–त्यौहार और प्रकृति के साथ उनके जुड़ाव को आसानी से देखा जा सकता है। लोककथा का विकास मानव के जन्म के साथ ही प्रारंभ हुआ होगा। वर्तमान समय में भी लोककथा वाचिक परम्परा से ही प्राप्त होती है। खेतों में कार्य करते हुए कृषक महिला एवं पुरुष श्रम परिहार के लिए लोककथाओं का सहारा लेते हैं। लोक कथा कथक्कड़ की इसमें महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। गाँव में फुर्सत के क्षणों में किसी घर के बरामदे या सार्वजनिक चौपाल में भी लोक कथाओं को बहुत उत्साह से सुनते हुए आनन्द उठाते हैं तथा घरों में रात्रि के समय छोटे–छोटे बच्चे अपने दादा–दादी के पास रहते हुए भी लोककथाओं को मौखिक रूप से सुनते हैं जो पीढ़ी दर पीढ़ी अनवरत् चली आ रही है। डॉ. नत्थू तोड़े की पुस्तक श्बस्तर की लोककथारू सांस्कृतिक आयामश् में भी बस्तर के जनजातियों में प्रचलित मौखिक परम्परा से चली आ रही लोककथाओं का दर्शन होता है। बस्तर की जनजातियों में प्रचलित सभ्यता एवं संस्कृति को प्रत्यक्ष रूप से देखा जा सकता है। इस पुस्तक के अध्ययन से जनजातियों की धार्मिक आस्था, लोक विष्वास एवं लोक परम्पराओं की भिन्न–भिन्न विषेशताओं को जाना एवं समझा जा सकता है। डॉ. नत्थू तोड़े अपनी पुस्तक में बस्तर के प्रमुख जनजातिय निवासी गोड़, हल्बा, भतरा, गदबा, धुरूवा, माड़िया एवं मुरिया के सामाजिक एवं सांस्कृतिक चेतना को उनमें प्रचलित लोक कथाओं के माध्यम से उद्धृत करने का प्रयास किया है। तकनीकी प्रधान दुनियाँ में इनका प्रभाव कम होता जरा है । अरुणाचल प्रदेश पूर्वोत्तर भारत का सबसे बड़ा राज्य है और पूरे देश में सबसे खूबसूरत राज्यों में से एक है। राज्य में कई खूबसूरत आकर्षण हैं। वन्यजीवों को देखने से लेकर आध्यात्मिक तीर्थस्थलों में प्रार्थना में भाग लेने तक, अरुणाचल प्रदेश में करने के लिए बहुत सी चीजें हैं । इसके अलावा, यह राज्य अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति और परंपरा के लिए भी जाना जाता है। यहाँ अरुणाचल प्रदेश की जनजातियों और परंपराओं के बारे में वह सब कुछ बताया गया है जो आपको जानना चाहिए और यह भी कि कैसे प्रत्येक आदिवासी समुदाय ने अपनी संस्कृति बनाई।

अरुणाचल प्रदेश में करीब 26 जनजातियाँ हैं, जिनमें 100 से ज्यादा उप–जनजातियाँ हैं। इनमें से मुख्य जनजातियाँ हैं आदिस, अपटानी, बुगुन, ह्रुसोस, सिंगफोस, मिशमी, मोनपा, न्यिशिस, शेरडुकपेन्स, टैगिन्स, खमटिस,

वांचो, नोक्टेस, योबिन, खंबास और मेम्बास। हालाँकि, प्रत्येक जनजाति के बारे में ज्यादा जानने का सबसे अच्छा तरीका एक टूर लेना है जहाँ गाइड आपको प्रत्येक जनजाति की उत्पत्ति और संस्कृति के बारे में बताएगा। इन आदिवासी लोगों में ऐसा क्या अनोखा है? अपनी संस्कृति में महारत हासिल करने के अलावा, ये लोग टोकरियाँ बनाना, बुनाई, लोहार का काम, मिट्टी के बर्तन बनाना, लकड़ी की नक्काशी, पेंटिंग और बहुत कुछ जैसे कौशल में भी माहिर हैं। अरुणाचल प्रदेश में गालो जनजाति पोपिर नृत्य से नृत्य के लिए प्रसिद्ध है। लोकप्रिय नृत्य जनजातियों की विशेषता है और दर्शकों को यह नृत्य जरूर देखना चाहिए। यह मुख्य रूप से महिला सदस्यों द्वारा किया जाता है। उनका नृत्य एपी में देवी मोप को शीर्ष श्रद्धांजलि है, ऐसा माना जाता है कि यह समृद्धि और उर्वरता की देवी है। एक समय की बात है, अरुणाचल प्रदेश की हरी–भरी घाटियों और बर्फ से ढकी चोटियों पर मोनपा नामक एक जनजाति रहती थी। वे एक शांतिपूर्ण और घनिष्ठ समुदाय थे, जो प्रकृति और आध्यात्मिक दुनिया से गहराई से जुड़े हुए थे। उनकी कहानियों और किंवदंतियों में से एक सबसे अलग थी – न्येथरी और पवित्र पर्वत की कहानी।आज टेलीविजन की अलग ही धूम है7लोगों के दिलों पर इसी का राज है7इसने अपना अलग ही महत्त्व बना रखा है7लोग अपनी भावनाओं के साथ इस से जुड़े हुए हैं7इसके सामने दुसरे माध्यम फीके पड़ गए हैं7चूँकि इस माध्यम में समाचर या सूचनाओं का आदान–प्रदान द्रश्य–श्रव्य माध्यम द्वारा होता है इसलिए लोगों पर इसका ज्यादा प्रभाव पड़ता है7इस में कोई शक नहीं की आज टेलिविजन लोगों के जीवन का एक अंग बन चूका है7तमाम माध्यमों के बीच इसको प्राथमिक हैसियत हासिल है7अब तो नेशनल और क्षेत्रीय सभी भाषाओँ में चौनल पर्याप्त हैं7अनेक भाषाओँ और अनेक प्रकार के कार्यक्रम प्रस्तुत किये जाते हैं7समाचार ,फिल्म ,डाक्युमेंट्री, डाक्युड्रामा, रियलिटी शो, टॉक शो, मनोरंजकपरक कार्यक्रम, खेल, भूगोल, इतिहास, धर्म, साहित्य, राजनीतिक कार्यक्रम और धरावाहिक आदि से संबंधित कार्यक्रम विभिन्न चौनलों पर प्रस्तुत किया जाता है7 उनमे लोककथाओं का प्रदर्शन और प्रभाव कम रहता है । अरुणाचल में बहुत से ऐसे लोक कथाएं प्रचलित है जिनका एक वैज्ञानिक ढांचा है और जो आधुनिक सभ्यता को भी आकर्षित करती है । इस प्रदेश में डोनी–पोलोइज्म (सूर्य–चंद्रमा) आदिवासियों के बीच प्रकृति और सद्भाव के संतुलन को बनाए रखने का दर्शन है। यहाँ की ज्यादातर जनजातियाँ प्रकृति और दूसरे देवी–देवताओं की पूजा करती हैं। समय के साथ, बौद्ध धर्म लोगों के बीच एक प्रमुख आस्था के रूप में उभरा।ऐसा लगता है कि अरुणाचल प्रदेश की संस्कृति के लिखित अभिलेखों का कोई स्रोत नहीं है और ज्यादातर जानकारी मौखिक साहित्य के माध्यम से ही मिल सकती है। कई राज्य ऐसे हैं जो अपने लोक कथाओं को संरक्षित करने के लिए जाना जाता है परंतु यह राज्य अपने लोक कथाओं को लोक गाथाओं के माध्यम से अभियक्ति के लिए जाना जाता है । इस राज्य में भ्रम करने और सेवा देने के पश्चात यह ज्ञान हुआ है कि यहाँ की लोक गाथाएं सामाजिक और राजनीतिक अभियक्ति की वाहक है । दुनिया के कुछ सबसे अनोखे समुदायों का एक आकर्षक निवास, समृद्ध जैव विविधता की प्रचुरता और समय के साथ अलग दुनिया, अरुणाचल प्रदेश वास्तव में एक स्वर्ग है जो हमेशा एक आनंदमय स्थान रहेगा, जो समय बीतने से अछूता रहेगा।

कानूनी सिद्धांत सभी अपराधों पर लागू

सुप्रीम कोर्ट ने कड़े आतंकवाद विरोधी कानून के तहत आरोपी को जमानत देते हुए कड़ी टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने कहा है कि जमानत नियम है–जेल अपवाद है, और यह कानूनी सिद्धांत सभी अपराधों पर लागू होता है।गैर–कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) जैसे विशेष कानूनों के तहत दर्ज अपराधों में भी यह लागू होता है। पीठ ने कहा कि यदि अदालतें उचित मामले में जमानत देने से इंकार करना शुरू कर देंगी तो यह मौलिक अधिकारों का उल्लंघन होगा। बेशक, अभियोजन के आरोप बहुत गंभीर हो सकते हैं, लेकिन कानून के अनुसार जमानत के मामले पर विचार करना अदालत का कर्त्तव्य है। जलालुद्दीन खान पर प्रतिबंधित संगठन पीएफआई के कथित सदस्यों को अपने घर की ऊपरी मंजिल किराए पर देने पर यूएपीए लगाया गया था।

साथ ही, अब खत्म हो चुकी आईपीसी की अन्य अनेक धाराओं के तहत भी अनेक मामले उनके खिलाफ दर्ज हैं। आरोप हैं कि किराये पर लिए गए इस परिसर का इस्तेमाल हिंसक कृत्यों को अंजाम देने के प्रशिक्षण और अपराध की साजिश रचने के मकसद से बैठकें करने के लिए किया गया। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की जांच से पता चला कि यह आपराधिक साजिश आतंक फैलाकर देश की एकता एवं अखंडता को खतरे में डालने के लिए रची गई।2022 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित यात्रा के दौरान बिहार पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर खान के घर पर छापेमारी की थी। हकीकत में जेलों में विचाराधीन कैदियों की संख्या 2022 के एनसीआरबी (राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो) के अनुसार साढ़े चार लाख के करीब है, जिन्हें जमानत नहीं मिलती।

अपने यहां मुकदमे लंबे समय तक चलते रहते हैं। जजों की संख्या कम है और मामले बहुत ज्यादा। दूसरे जब तक अपराध सिद्ध नहीं होता आरोपी को जमानत देना गलत नहीं है बशत्रे वह खतरनाक किस्म का अपराधी या बेहद शक्तिशाली न हो। जेलों में आरोपियों को जबरन बंद रखना और दोषमुक्त साबित होने पर बिना शर्त रिहा कर देने से उनको पूरा न्याय नहीं मिलता। जेल वास्तव में अपवादस्वरूप ही इस्तेमाल होनी चाहिए।

इस तरीके से सिर्फ जेलबंदियों को ही नहीं सहना पड़ता, बल्कि आरोपी का पूरा परिवार को ही भुगतना पड़ता है। मामले में भी खान के किरायेदार ही आरोपी हैं। यदि खान उस साजिश में सीधे शामिल नहीं पाए जा रहे हैं तो फिलवक्त उन्हें जमानत देना ही उचित और तर्कसंगत है।

नौजवानों को नही मिल रही नौकरी : अखिलेश

लखनऊ(आरएनएस) । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार में भेदभाव हो रहा है। नौजवानों को नौकरी नहीं मिल रही है। आरक्षण से खिलवाड़ हो रहा है। संविधान को कमजोर किया जा रहा है। विकास का कोई कार्य नहीं हो रहा है। कहा कि भाजपा सरकार किसी की सगी नहीं है। यह फंसाने वाली पार्टी है। भाजपा के लोग खुद जानते हैं कि भाजपा लोगों को फंसाती है। नकारात्मक राजनीति करती है। नफरत फैलाती है। भाजपा सरकार पीडीए की ताकत से घबराई हुई हैं इसीलिए राजनीतिक इतिहास का सबसे खराब और नकारात्मक नारा लेकर आई है।

अखिलेश यादव आज हरदोई दौरे पर थे। उन्होंने मीडिया से वार्ता करते हुए कहा कि पीडीए सबको जोड़ेगा और जीतेगा। पीडीए परिवार सामाजिक न्याय की लड़ाई को आगे बढ़ा रहा है। सामाजिक सद्भाव के रास्ते पर चल रहा है। विधानसभा उपचुनाव में भाजपा सभी 9 सीटे हारने जा रही है। मिल्कीपुर का चुनाव इसीलिए टाला गया क्योंकि भाजपा इंटरनल सर्वे में चुनाव हार रही थी। महंगाई बेरोजगारी, भ्रष्टाचार से हर वर्ग परेशान और त्रस्त है। भाजपा जनता के गुस्से का सामना नहीं कर पा रही है। उपचुनाव में भाजपा अधिकारियों को आगे करके चुनाव लड़ रही है।

चुनाव में शामिल अधिकारियों और जिलाधिकारी तक की शिकायते हुई लेकिन वे न्याय नहीं दे रहे हैं। निष्पक्ष काम नहीं कर रहे हैं उसके बाद भी जनता भाजपा को सभी सीटों पर हराएगी।भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार और भ्रष्टाचार चरम पर है। पुलिस मनमानी कर रही है। आम जनता की कोई सुनवाई नहीं है। प्रशासन अगर सुनवाई करता तो आज जौनपुर जैसी घटना नहीं होती। प्रशासन और सरकार न्याय नहीं दे पा रही है इसीलिए घटनाएं हो रही है। जौनपुर में इससे पहले एक बिंद परिवार के नौजवान को पुलिस ने पीट-पीटकर मार दिया था। जौनपुर में पुजारी यादव की भी हत्या हुई। लखनऊ में पुलिस की पिटाई से मोहित पाण्डेय और अमन गौतम की भी हत्या हुई। भाजपा सरकार पहले झूठा फंसाती है और फिर बदनाम करती है। वह इसी रणनीति पर काम कर रही है।

चौपाल के बाद स्कूल- आंगनबाड़ी का निरीक्षण

तिल्हापुर मोड़, कौशाम्बी। विकास खंड नेवादा के ग्राम पंचायत अमिरसा में शुक्रवार को आयोजित ग्राम चौपाल के बाद बीडीओ प्रदीप मौर्या ने गांव के विकास कार्यों का सत्यापन किया। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत अधिकारी रामापति यादव को पात्र लाभार्थियों को चिन्हित कर योजनाओं में लाभ दिलाने का निर्देश दिया। अमिरसा गांव में शुक्रवार को बीडीओ प्रदीप कुमार मौर्या की अध्यक्षता में चौपाल का आयोजन किया गया था। इस दौरान चौपाल में आई सीमा देवी ने बताया कि उसका कच्चा और जर्जर मकान एक माह पहले बारिश में जमीदोज हो गया है। तब से वह बेघर हो गई है। बीडीओ ने लेखपाल अंजू सिंह को पीड़ित परिवार की तुरंत जांच कर रिपोर्ट लगाने का निर्देश दिया। राम बहादुर, कमला देवी, सीताराम, शिवशंकर व शिवबाबू ने बताया कि मनरेगा योजना में काम करने के बाद भी उनके खाता में पैसा नही आ रहा है। इस पर बीडीओ ने ग्राम पंचायत अधिकारी से कहा कि डाकघर के कर्मचारियों को बुलवाकर तत्काल सभी मजदूरों का पोस्ट आफिस में नया खाता खुलवाएं, ताकि उनका पैसा सीधे उनके खाता में आये। चौपाल में मौजूद अन्य ग्रामीणों ने आवास, शौचालय, सड़क चौड़ीकरण और नाली निर्माण की मांग किया। इसके बाद बीडीओ ने पीएम श्रीविद्यालय अमिरसा में बच्चों के लिए बने मिनी पुस्तकालय का निरीक्षण किया। उन्होंने कक्षा तीन में पढ़ रहे छात्र छात्राओं से सवाल जवाब भी किया। वह मध्यान्ह भोजन चख कर अपने सामने ही विद्यालय के बच्चों को भोजन करवाया। विद्यालय में कायाकल्प के सभी मानकों को पूरा देख प्रशंसा की। इस दौरान आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर बच्चों के टीकाकरण, वजन मशीन, फर्नीचर, किताबों समेत बच्चों को केंद्र पर सुविधा की जानकारी ली। इस दौरान प्रधानाध्यापिका अनुराधा पांडेय, प्रधानपति अनूप मिश्रा, कोटेदार मणिकांत मिश्रा, पंचायत सहायक श्वेता मिश्रा, डाककर्मी आदर्श श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता- डॉ कुश

कड़ा, कौशाम्बी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आलमचन्द के नए अधीक्षक डॉ कुश शर्मा ने शुक्रवार को पदभार ग्रहण कर लिया।इस दौरान अस्पताल के चिकित्सको व कर्मचारियों ने बुके देकर उनका स्वागत सम्मान किया।प्रभार लेने के बाद नए अधीक्षक ने अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अस्पताल में जो भी खामियां हैं उसका अवलोकन किया गया है। समस्या के समाधान के लिए अस्पताल के सभी कर्मचारियों के साथ बैठक की जाएगी और समस्याओं को सूचीबद्ध कर उन्हें ठीक कराने का प्रयास किया जाएगा।नए अधीक्षक ने अस्पताल के कर्मचारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है।अस्पताल में आए मरीजों व उनके तीमारदारों को बेहतर चिकित्सीय सेवा प्राप्त हो इसके लिए अस्पताल प्रशासन कटिबद्ध है इसमें किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नही की जाएगी।

सीडीओ ने थूलगुला में आंगनबाड़ी केंद्र का किया निरीक्षण

सिराथू, कौशाम्बी। मुख्य विकास अधिकारी कौशाम्बी अजीत कुमार श्रीवास्तव ने ग्राम पंचायत थूलगुला में स्थित ऑगनबाड़ी केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खण्ड विकास अधिकारी संजय गुप्ता कड़ा व बाल विकास पुष्टाहार परियोजना अधिकारी कड़ा मनोज वर्मा मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान सीडीओ को ऑगनबाडी केन्द्र थुलगुला में 55 बच्चे पंजीकृत पाए गए, जिसके सापेक्ष मौके पर 09 बच्चे उपस्थित मिले, जिस पर मुख्य विकास अधिकारी नाराजगी व्यक्त की गयी। ऑगनबाड़ी केन्द्र में उपस्थित बच्चों से पठन-पाठन के बारे में जानकारी ली गयी, जिसमें बच्चों द्वारा दीवारों में बने चित्रों को तो स्पष्ट पढ़कर बताया, परन्तु गिनती आदि स्पष्ट रूप से पढ़कर सुना नहीं पाये।

संक्षेप

जमीन के बंटवारे को लेकर भाई ने भाई के साथ की मारपीट ,केस दर्ज

सैनी, कौशाम्बी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के एक गांव में जमीन के बंटवारे को लेकर पड़ोस के रहने वालों भाई से आपसी कहासुनी के बाद मारपीट कर धमकी देने लगे , पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कर कार्यवाही की मांग की है।कड़ा धाम थाना क्षेत्र के जड़ियन मोहल्ला निवासी सुलेमान पुत्र बसीर ने कड़ा धाम पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि उसका भाई जमीन के बंटवारे को लेकर गाली गलौच करने लगे जिसका विरोध करने पर उसको दोनों भाई अपनी पत्नी के साथ मारपीट करने लगे और धमकी देने लगे। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध केस दर्ज कर जांच में जुट गई है।

बेटी से छेड़खानी का आरोप

सिराथू, कौशाम्बी। कड़ा धाम थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक महिला ने पड़ोस के एक युवक पर नाबालिक बेटी से छेड़खानी का आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।कड़ा धाम थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली एक महिला ने कड़ा धाम पुलिस को शिकायती पत्र देकर बताया कि शुक्रवार की सुबह उसकी दस वर्षीय नाबालिक बेटी घर से बाग की ओर जा रही थी तभी पड़ोस का रहने वाला एक युवक किशोरी से छेड़खानी करने लगा, युवक के चंगुल से बचकर किसी तरह घर पहुंची किशोरी ने घरवालों को आपबीती बताई तो किशोरी की मां ने कड़ा धाम पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्यवाही की मांग की है।

वांछित को किया गया गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना करारी पुलिस प्रभारी निरीक्षक विनीत सिंह मय हमराह पुलिस बल द्वारा पाक्सो एक्ट से सम्बन्धित 10,000 रू0 का इनामिया वांछित फैजान निवासी ग्राम रहीमपुर मौलानी थाना करारी जनपद कौशाम्बीको दरियापुर चौराहा के पास से गिरफ्तार किया गया।

आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना करारी पुलिस वरिष्ठ उ0नि0 प्रभुनाथ सिंहमय हमराह पुलिस बल द्वारा एससी एसटी एक्ट से सम्बन्धित वांछित जावेद माली निवासी अशोक नगर थाना करारी को अशोक नगर से गिरफ्तार किया गया। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना पिपरी पुलिस उ0नि0 अतुल रंजन तिवारी मय हमराह पुलिस बल द्वारा वांछित आशीष दिवाकर निवासी ग्राम नूरपुर हाजीपुर थाना पिपरी को नूरपुर नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया।

अब्दुल कलाम को किया याद

सोनभद्र (आरएनएस)। भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न मिसाइल मैन के नाम से प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ0एपीजे अब्दुल कलाम की जयंती पर उन्हें सादर नमन करते हुए उनकी उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किया गया। तत्पश्चात् गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने किया एवं संचालन जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने किया। जिलाध्यक्ष कहा कि भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न मिसाइल मैन के नाम से प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम देश के 11वें राष्ट्रपति एक प्रसिद्ध वैज्ञानिक शिक्षक और लेखक थे। एक टीचर के नाते वे हमेशा छात्रों के साथ जुड़े रहे उन्हें आगे बढ़ाने की प्रेरणा देते रहे। छात्रों के साथ उनके इसी बंधन के लिए हर साल 15 अक्टूबर को वर्ल्ड स्टूडेंट्स डे मनाया जाता जाता है। उनकी शिक्षाएं और प्रेरणादायक बातें आज भी लाखों छात्रों के लिए मार्गदर्शन बनी हुई हैं उनका जीवन छात्रों और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत रहा है। उन्होंने शिक्षा विज्ञान और समाज सेवा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया। उन्होंने भारत के मिसाइल विकास कार्यक्रम का नेतृत्व किया और अग्नि और पृथ्वी मिसाइल के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 1980 के दशक में उनके नेतृत्व में भारत ने रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए उनकी अगुवाई में भारत ने पोखरण टू परमाणु परीक्षण किया, जिससे भारत एक सशक्त परमाणु शक्ति वाला देश बना। इस मौके पर पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा, विजय यादव, मोहम्मद सईद कुरैशी, अनिल प्रधान, अशोक पटेल, रामप्यारे सिंह पटेल, रमेश कुमार वर्मा, सरदार पारब्रह्म सिंह, बबलू धागर, सुरेश पटेल आदि मौजूद रहे।

छात्रों ने लगाया विज्ञान प्रदर्शनी

सोनभद्र (आरएनएस)। आदर्श इंटर कॉलेज में समग्र शिक्षा के अंतर्गत विद्यालय स्तर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा मंगलवार को विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में मॉडल का निरीक्षण जिला विद्यालय निरीक्षक जयराम सिंह द्वारा किया गया। विद्यालय की जूनियर वर्ग और सीनियर वर्ग के बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। मॉडलों का निरीक्षण व मूल्यांकन डॉ मंजू सिंह, महेंद्र कुमार तथा जावेद अंसारी द्वारा किया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बच्चों का उत्साहबर्धन किया। प्रधानाचार्य संतोष कुमार द्वारा बच्चों को पुरस्कार और प्रमाण पत्र वितरण करने के बाद सबका आभार व्यक्त किया गया। इस मौके पर अमरेंद्र कुमार सिंह, उपेंद्र प्रताप सिंह, विनीत कुमार, महेश चंद्र, राजेश केसरी, सुशील मिश्रा, इंद्रेश कुमार गुप्ता, फूल सिंह, राजेश उपाध्याय, शिवानी, रिंकी, कंचन, वरुण चतुर्वेदी आदि मौजूद रहे।

आयोग की सदस्य करेंगी जनसुनवाई

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य गीता विश्वकर्मा द्वारा लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण गृह (गेस्ट हाउस) प्रतापगढ़ में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने हेतु उनकी समस्याओं को सुना जाएगा। जनसुनवाई कार्यक्रम पूर्वान्ह 11 बजे से शुरू होगा और इसमें महिलाओं को उनकी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे। उसके उपरांत महिला बंदी गृह, बालिका/महिला गृह का निरीक्षण कार्यक्रम प्रस्तावित है।

सैनिक बन्धु की बैठक

प्रतापगढ़। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कमाण्डर दिनेश कुमार मिश्र (अ0प्रा0) ने बताया है कि सैनिक बन्धु की बैठक का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में दोपहर 12 बजे से किया जायेगा जिसमें जिले के समस्त पूर्व सैनिक/उनकी विधवायें/आश्रित/अपनी समस्याओं के साथ उपस्थित हो सकते है।

त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा छठ पूजा आदि त्योहारों के दृष्टिगत अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधाजनक आवागमन के उद्देश्य से निम्नलिखित समेकित त्योहार विशेष रेलगाड़ियों का संचालन किया गया है, जिनका विवरण निम्नवत् हैः-

उत्तर मध्य रेलवे नेटवर्क से यात्रा प्रारंभ/समाप्त करने वाली त्योहार विशेष रेलगाड़ियों की सूची

विशेष गाड़ी सं.	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	चलने के दिन	चलने की तिथि
01927	कानपुर सेंट्रल	12:30	मदुरै	09:30	बुधवार	06.11.24 से 01.01.25
01928	मदुरै	23:35	कानपुर सेंट्रल	22:20	शुक्रवार	08.11.24 से 03.01.25
01929	ग्वालियर	13:00	पुरी	20:15	शुक्रवार	08.11.24 से 03.01.25
01930	पुरी	23:45	ग्वालियर	09:25	शनिवार	09.11.24 से 04.01.25
02417	प्रयागराज	21:30	दिल्ली	08:55	शुक्रवार	08 एवं 15.11.2024
02418	दिल्ली	09:30	प्रयागराज	19:45	शनिवार	09 एवं 16.11.2024
02421	सूबेदारगंज	21:35	दिल्ली	08:55	रविवार	10.11.2024
02422	दिल्ली	09:30	सूबेदारगंज	19:40	सोमवार	11.11.2024
04145	सूबेदारगंज	21:35	दिल्ली	08:55	गुरूवार	07 एवं 14.11.2024
04146	दिल्ली	09:30	सूबेदारगंज	19:40	शुक्रवार	08 एवं 15.11.2024
04131	प्रयागराज	23:30	सर एम.विश्वे.बेंगलूरू	18:30	रविवार	10 एवं 17.11.2024
04132	सर एम.विश्वे.बेंगलूरू	07:10	प्रयागराज	22:50	बुधवार	06.11.24 से 20.11.24
04195	आगरा छावनी	05:00	फारबिसगंज	15:15	शुक्रवार	08.11.24 से 22.11.24
04196	फारबिसगंज	18:40	आगरा छावनी	07:10	शनिवार	09.11.24 से 23.11.24
01924	वी.लक्ष्मी.बाई झाँसी	19:40	हडपसर	16:30	शनिवार	09.11.24 से 30.11.24
01923	हडपसर	19:10	वी.लक्ष्मी.बाई झाँसी	15:00	रविवार	10.11.24 से 01.12.24
01046	प्रयागराज	18:50	लोकमान्य तिलक(ट.)	16:05	बुधवार	06.11.2024
05831	रंगापारा नार्थ	09:00	प्रयागराज	12:40	रविवार	10.11.24 से 01.12.24
05832	प्रयागराज	17:40	रंगापारा नार्थ	22:50	सोमवार	11.11.24 से 02.12.24
09117	सूरत	06:00	सूबेदारगंज	08:40	शुक्रवार	08.11.24 से 27.12.24
09118	सूबेदारगंज	19:25	सूरत	20:00	शनिवार	09.11.24 से 28.12.24
09185	मुम्बई सेंट्रल	11:05	कानपुर अनवरगंज	15:35	रविवार	10.11.24 से 29.12.24
09186	कानपुर अनवरगंज	18:25	मुम्बई सेंट्रल	22:30	सोमवार	11.11.24 से 30.12.24
09069	उधना	05:30	कानपुर सेंट्रल	06:30	सोमवार	11.11.2024
09070	कानपुर सेंट्रल	09:30	उधना	10:00	मंगलवार	12.11.2024
01905	कानपुर सेंट्रल	15:35	अहमदाबाद	11:00	सोमवार	11.11.2024
01906	अहमदाबाद	14:10	कानपुर सेंट्रल	11:55	मंगलवार	12.11.2024
01919	आगरा छावनी	23:30	अहमदाबाद	14:30	मंगल,गुरु,शनि	07.11.24 से 14.11.24
01920	अहमदाबाद	17:30	आगरा छावनी	09:50	बुध,शुक्र,रवि	06.11.24 से 15.11.24
01921	पुणे	15:15	वी.लक्ष्मी.बाई झाँसी	10:00	गुरूवार	07.11.24 से 28.11.24
01922	वी.लक्ष्मी.बाई झाँसी	12:50	पुणे	11:35	बुधवार	06.11.24 से 27.11.24
02199	वी.लक्ष्मी.बाई झाँसी	16:50	बान्द्रा (ट.)	16:10	गुरूवार	07.11.24 से 26.12.24
02200	बान्द्रा (ट.)	05:10	वी.लक्ष्मी.बाई झाँसी	05:00	शनिवार	09.11.24 से 28.12.24
04115	सूबेदारगंज	11:15	लोकमान्य तिलक(ट.)	16:15	गुरूवार	07.11.24 से 28.11.24
04116	लोकमान्य तिलक(ट.)	20:15	सूबेदारगंज	05:10	शुक्रवार	08.11.24 से 29.11.24
04121	सूबेदारगंज	15:50	सिकंदराबाद	20:00	गुरूवार	07.11.24 से 02.01.25
04122	सिकंदराबाद	04:30	सूबेदारगंज	10:00	शनिवार	09.11.24 से 04.01.25
04123	प्रयागराज	14:30	हज़रत निजामुद्दीन	11:10	बुध, रवि	06.11.24 से 27.11.24
04124	हज़रत निजामुद्दीन	15:50	प्रयागराज	09:00	गुरू, सोम	07.11.24 से 28.11.24
04125	सूबेदारगंज	05:20	बान्द्रा (ट.)	09:30	सोमवार	11.11.24 से 30.12.24
04126	बान्द्रा (ट.)	11:15	सूबेदारगंज	17:00	मंगलवार	12.11.24 से 31.12.24
04137	ग्वालियर	07:10	बरौनी	08:00	बुध, रवि	06.11.24 से 01.01.25
04138	बरौनी	09:30	ग्वालियर	10:20	गुरू, सोम	07.11.24 से 02.01.25
04151	कानपुर सेंट्रल	15:25	लोकमान्य तिलक(ट.)	14:55	शुक्रवार	08.11.24 से 29.11.24
04152	लोकमान्य तिलक(ट.)	17:15	कानपुर सेंट्रल	15:45	शनिवार	09.11.24 से 30.11.24
04165	आगरा छावनी	20:20	अहमदाबाद	11:00	बुधवार	06 एवं 13.11.2024
04166	अहमदाबाद	14:10	आगरा छावनी	06:10	गुरूवार	07 एवं 14.12.2024
04167	आगरा छावनी	20:20	अहमदाबाद	11:00	रविवार	10.11.2024
04168	अहमदाबाद	14:10	आगरा छावनी	06:30	सोमवार	11.11.2024
04189	कानपुर सेंट्रल	07:15	अलीगढ़	12:40	प्रतिदिन रविवार को छोड़कर	06.11.24 से 31.01.25
04190	अलीगढ़	13:40	कानपुर सेंट्रल	19:45		06.11.24 से 31.01.25

ट्रेन की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App. या वेबसाइट www.railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1900/24(A)

खिलाड़ियों को किया सम्मानित

सुलतानपुर(आरएनएस)। लखनऊ के चौक स्टेडियम में दिनांक 18 से 20 अक्टूबर 2024 ओपन नेशनल आर्म बॉक्सिंग चौंपियनशिप आयोजित हुआ। इस चौंपियनशिप में कुल 12 राज्यों से 260 प्रतिभागीयों ने प्रतिभाग किया। जिनमें से जम्मू कश्मीर, हरियाणा, बिहार, झारखंड, वेस्ट बेंगल, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, केरला, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र आदि राज्यों से खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश ने 70 अंक प्राप्त के साथ प्रथम स्थान, बिहार 17 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान तथा हरियाणा 15 अंक प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे।

उत्तर प्रदेश के राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी राहिल खान और मो. रेहान ने स्वर्ण पदक, मो. उजैर, नूर मोहम्मद, गुल मोहम्मद, निहाल खान, ताज मोहम्मद और मनए अग्रवाल ने रजत पदक प्राप्त किया। प्रतियोगिता को संपन्न बनाने में निर्णायक भूमिका में जो की मो. माजिद, आशुतोष शर्मा, शुभम धुरिया, अल्तमश रजा और सैय्यद एबादत हुसैन आदि रहे। आर्म बॉक्सिंग इंडिया के डायरेक्टर और महासचिव नसरुद्दीन ने सभी राज्यों के टीम कोच टीम मैनेजर का उत्साह वर्धन किया। चौंपियनशिप मंत्रालय और भारतीय ओलंपिक में भी शामिल किया जायेगा और वही समापन समारोह में यू०पी० ओलंपिक के संयुक्त सचिव और स्पोर्ट्स नेटवर्क इंडिया के

के उद्घाटन में पूर्व उत्तर प्रदेश खेल मंत्री ओ0पी0 सिंह और नेहरू युवा केंद्र के अध्यक्ष रामपाल मौजूद रहे।

पूर्व खेल मंत्री ओ0पी0 सिंह ने कहा कि इस खेल को जल्द ही खेल डायरेक्टर डॉ0 आनंद किशोर पांडे और नदीम मौजूद रहे। इन्होंने भी इस खेल को भारतीय ओलंपिक में लाने की बात कही और सभी खिलाड़ियों को बहुत-बहुत बधाई दी।

मारपीट के आरोपी को वीवीआईपी सुविधा

कुशीनगर। जनपद के विशुनपुरा थाना क्षेत्र में एक महिला द्वारा छेड़खानी और मारपीट सम्बन्धी दिए गए तहरीर में आरोपी सेवा निवृत्त फार्मासिस्ट अशोक यादव का विशुनपुरा थाने में वीवीआईपी सुविधा का फोटो सोशल मीडिया पर वायरल होना लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है।फोटो वायरल होने के बाद सवाल उठने लगा है कि आखिर एसओ विशुनपुरा का आरोपी से ऐसा क्या सम्बन्ध है कि उन्होंने आरोपी को थाने में सेविंग कराने के लिए नाई उपलब्ध कराया है। इतना ही नहीं जब आरोपी का चालान हुआ और जमानत के लिए तमकुहीराज तहसील में पँहुचा तो वहां भी उसका रुतबा कम नहीं हुआ बल्कि वहां पर कुर्सी पर बैठक कर किसी वीआईपी की तरह मोबाइल देखता दिखा। महिला से छेड़खानी, मारपीट के आरोपी का यह ठसक देख एसडीएम तमकुहीराज ने उसे जमानत देने के बजाय जेल भेज दिया है।

बताते चलें कि बीते मंगलवार को विशुनपुरा थाना क्षेत्र की एक महिला ने थाने में गौरी श्रीराम पीएचसी पर तैनात एएनएम शैल कुशवाहा व उसके पति उमेश कुशवाहा, तथा एक सेवा निवृत्त फार्मासिस्ट अशोक यादव पर छेड़खानी, मारपीट और धमकाने का आरोप लगाते हुए तहरीर सौंपी थी। तहरीर मिलने के बाद विशुनपुरा थाने की पुलिस ने अशोक यादव, शैल कुशवाहा और उसके पति उमेश कुशवाहा को हिरासत में ले लिया लेकिन अगले दिन बुद्धवार को सोशल मीडिया पर आरोपी अशोक यादव की एक फोटो वायरल होने लगी। जिसमें वह थाने के अंदर वीआईपी सुविधा के साथ कुर्सी पर बैठकर दाढ़ी बनवाते हुए देखा जा सकता है। फोटो वायरल होने के बाद एसओ विशुनपुरा पर यह सवाल खड़े होने लगे कि आखिर आरोपी अशोक यादव और एसओ विशुनपुरा के बीच ऐसा कौन सा सम्बन्ध है कि उनके सामने एक आरोपी की डिमांड पर उसे दाढ़ी बनवाने के लिए अधिकारियों की तरह थाने में ही नाई उपलब्ध करवाया गया और बाकायदा उस आरोपी ने बाहर कुर्सी पर बैठकर दाढ़ी भी बनवाया। हालांकि फोटो वायरल होने के बाद एडिशनल एसपी ने कहा कि मामला गम्भीर है, इस सम्बन्ध में सीओ तमकुहीराज को जांच सौंपी गयी है, जांच रिपोर्ट सामने आने के बाद सम्बन्धित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

उपाध्यक्ष को रोटरी क्लब ने किया सम्मानित

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष चारु चौधरी का कुशीनगर में प्रथम आगमन पर रोटरी क्लब के सदस्यों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम कुशीनगर स्थित कुशीनगर रेस्टोरेंट में आयोजित किया गया, जहाँ श्रीमती चौधरी को स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।स्वागत कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण, जागरूकता और सामाजिक उत्थान के मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें उपाध्यक्ष श्रीमती चौधरी ने भी अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि महिला आयोग महिलाओं के अधिकारों के प्रति संजीवनी का कार्य कर रहा है और कुशीनगर में महिलाओं के कल्याण हेतु हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इस दौरान क्लब के संरक्षक एवं नगर पालिका परिषद कुशीनगर के अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल, वाहिद अली, सचिव अजय सिंह, दुर्गेश चतुर्वेदी, विजय गुप्ता, सदरे आलम, डॉ. सुनील सिंह, विजय कृष्ण द्विवेदी, अरुण वर्मा, अरुण मौर्या एवं हेमंत गर्ग आदि उपस्थित रहे।

किशोरियों को जागरूक रहने की जरूरत

सुलतानपुरध्भीटी(आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर चल रहे कार्यक्रम में भीटी ब्लाक के तेरिया ग्राम पंचायत में संचालित प्राथमिक विद्यालय तेरिया के प्रांगण में आयोजन किया गया। जिसमें किशोरियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा व अधिकारों के बारे में जानकारी की गयी। पीपुल्स एवसन फॉर नेशनल इंटीग्रेशन (पानी) संस्थान ने कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यकम की शुरुआत मुख्य अतिथि किछूटी ग्राम पंचायत के प्रधान संगीता यादव ने सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करके की. साथ में अन्य गणमान्य भी उपस्थिति रहे। पानी संस्थान के सीनियर एकाउन्ट प्रबन्धक ने पानी के बारे में विस्तारपूर्वक से बताया साथ ही कार्यक्रम समन्वयक रागिनी विश्वकर्मा ने किशोरी सशक्तिकरण से अवगत कराते हुए कार्यक्रम पर चर्चा की। इसी क्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने किशोरी दिवस पर अपने विचारो को साझा किया। जिसमें किशोरियों को जागरूक कर उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण एवं अधिकार पर प्रकाश डाला।

सभी इंद्रियों से करे भगवान् का स्मरण, मिलेगी कृपा

सुल्तानपुर। कुंडवार ब्लॉक के पूरे लेदई ग्राम सभा में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण की कथा में कथा व्यास देवी चित्रलेखा ने तीसरे दिन की कथा में प्रवेश करते हुए कहा जो मन भगवान का स्मरण करेगा तो यह भगवान का हो जायेगा जबकि हमारा मन संसार का स्मरण कर संसार का बन चुका है बिना संतो व गुरुओ की कृपा के भगवान के न दर्शन होते है न कृपा का भाव मिलता है भगवान् से संतो व गुरुओ की कृपा मांगिये जगदीश की कृपा अपने आप मिल जाती है। उक्त विचार कथा के तीसरे दिन कथा व्यास अंतरराष्ट्रीय कथावाचक देवी चित्रलेखा ने व्यास पीठ से दिया। कथा प्रारंभ होने के पूर्व रामचंद्र मिश्रा राम मूरत मिश्रा राम अवध मिश्र व राम अल मिश्र शुभम मिश्रा श्री नारायण पांडे सुभाष तिवारी आदि ने परिवार सहित व्यास पीठ की आरती उतारी। व्यास पीठ से परीक्षित के शिकार खेलने गए राजा परीक्षित को प्यास लगने पर एक संत से जल मांगने ऋषि द्वारा ध्यान मे लीन होने पर उनके मुकुट मे सवार कलियुग के प्रभाव मे आकर पास पड़े एक सर्प को ऋषि के गले मे डाल देने पर ऋषि पुत्र द्वारा राजा परीक्षित को श्राप लगने व सात दिन बाद तक्षक नाग के डसने से उनकी मृत्यु हो जाने की कथा व अगले सात दिवस मे सुकदेव जी से श्री मदभागवत की कथा श्रवण करने का उपाय ऋषि मुनियों द्वारा बताया गया। इस कथा के श्रवण से राजा के हृदय से मृत्यु का भय हटने व उनके स्वर्ग जाने का रास्ता साफ हो जाने की प्रासंगिकता का भी वर्णन किया वही मनु सतरूपा का प्रसंग सुनाया राजा दक्ष के यज्ञ के आयोजन मे शिव का अपमान और यज्ञ मे सती द्वारा जीवन दिये जाने के बाद शिव के गणों द्वारा उत्पात मचाये जाने के बाद सभी देवताओ ने महादेव की शरण लेकर कृपा करने की बात कही यहाँ कथा श्रवण करने क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप पटेल रहे।

गंगा उत्सवः चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। मां गंगा को केंद्र सरकार ने चार नवम्बर को राष्ट्रीय नदी घोषित किया गया था। जिला गंगा समिति ने ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर स्कूल में जन–जागरूकता एवं विभिन्न प्रतियोगिताओ का अयोजन किया। कार्यक्रम में स्कूल के छात्रों ने गंगा संरक्षण पर चित्रकला एवं भारत में गंगा का संस्कृति एवं आर्थिक महत्व पर निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम मे उपप्रधानाचार्य जनार्दन प्रसाद दुबे, जिल परियोजना अधिकारी नमामि गंगे एशा सिंह , शिक्षक प्रमोद द्विवेदी, नगर निगम से कृष्णा कुमार मौर्य ,वन दरोगा कमलेश सिंह, रोहित चंदेल आदि उपस्थित रहे। चित्रकला प्रतियोगिता एवं निबंध प्रतियोगिता में टॉप ३ छात्रों को पुरस्कृत किया गए। जिसमे प्रथम स्थान पर कृतिका केसरी, द्वितीय स्थान पर अशीम सिंह, तृतीय स्थान पर इंद्राणी को पुरस्कृत किया। कार्यक्रम के समापन में गंगा स्वच्छता की शपथ ली।

दो लाख 71 हजार पौधे महाकुंभ में रोपित किए जायेंगे

प्रयागराज। संगम तट पर जनवरी 2025 से लगने जा रहे महाकुंभ की तैयारियां पूरी गति से चल रही हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महाकुंभ को दिव्य, भव्य, स्वच्छ और हरित स्वरूप देने के लिए कुंभ मेला प्रशासन के सभी विभाग इसमें अपना योगदान कर रहे हैं। महाकुंभ को हरित कुंभ का स्वरूप देने के लिए कुंभ क्षेत्र को पॉलीथीन मुक्त रखा जाएगा तो वहीं कुंभ क्षेत्र के बाहर हरित पट्टिकाओं का विकास किया जा रहा है। इस प्रयास से पर्यावरण संरक्षण का संकल्प भी धरातल पर उतर रहा है।

धरातल पर उतर रहा ग्रीन कुंभ का संकल्प

सीएम योगी का स्पष्ट निर्देश है कि महाकुंभ 2025 में प्रयागराज स्वच्छता का मॉडल बने। महाकुंभ स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण का भी एक उदाहरण बने इसके लिए सामूहिक प्रयास किया जा रहा है। इस संकल्प को पूरा करने के लिए वन विभाग, नगर निगम और प्रयागराज विकास प्राधिकरण मेगा प्लांटेशन अभियान चला रहे हैं । अभियान के अंतर्गत 2 लाख 71 हजार पौधे रोपित किए जा रहे हैं। प्रभागीय वनाधिकारी प्रयागराज अरविंद कुमार का कहना है कि वन विभाग इस अभियान के अंतर्गत 29 करोड़ के बजट से 1.49 लाख पौधे रोपित करने जा रहा है। इसमें सरस्वती हाईटेक सिटी में 20 हेक्टेयर में 87 हजार पौधे रोपित हो रहे हैं। यहां सब्जी ब्लॉक में सघन रोपण किया जा रहा है। इसमें छोटे और बड़े दोनो तरह के पौधे रोपित हो रहे हैं।

18 सड़कों में भी विकसित हो रही हैं ग्रीन बेल्ट

वन विभाग जिले की सड़कों के दोनो तरफ भी पौध रोपण का अभियान चला रहा है। शहर की तरफ आने वाले 18 सड़कों में भी सघन पौधारोपण किया जा रहा है। इसके अंतर्गत 50 हजार पौधे रोपित किए जाएंगे। सड़कों के बाहर दोनों तरफ कदम्ब, नीम, अमलताश जैसे पौधों का रोपण किया जा रहा है। शहर के कुछ हिस्सों में भी वन विभाग की तरफ से पौध रोपण किया जा रहा है। शहर के अंदर हरित पट्टिकाओं को विकसित करने की जिम्मेदारी नगर निगम प्रयागराज और प्रयागराज विकास प्राधिकरण को दी गई है। नवंबर के आखिर तक इन ग्रीन पट्टियों के विकसित करने का कार्य पूरा हो जायेगा।

विदाई समारोह आयोजित किया

प्रयागराज। अठारहवीं वाहिनी आईटीबीपी में कार्यरत सूबेदार मेजर जगत सिंह का सत्ताईस वाहिनी केरल में सहायक सेनानी के पद पर पदोन्नत होने के उपरान्त 18वीं वाहिनी भारत तिब्बत सीमा पुलिस द्वितीय कमान प्रवीन चन्द्र दास के नेतृत्व में विदाई समारोह आयोजित किया गया। 18वीं वाहिनी उप सेनानी जीडी आशीष कुमार पाण्डेय, सहायक सेनानी अभियन्ता सगा मलिक, सहायक सेनानी जीडी आनन्द भूषण, उपस्थित रहे।

उत्तर मध्य रेलवे

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या : 18/2024 दिनांक : 30.10.2024

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि मंडल सामग्री प्रबंधक, 30म0रे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिए ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं ।

निविदा संख्या : 19247516	मात्रा : 600 नग
विवरण : संलग्न चित्र के अनुसार धातु बेड।	
ई.म.डी. रु0 : 1,16,040/-	निविदा खुलने की तिथि : 22.11.2024

नोट :- (1) उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइड https://www.ireps.gov.in. पर उपलब्ध है । (2) उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारुप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी । वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको I.T. Act 2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइड पर पंजीकृत करायें । (3) निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेंसियल रेट पेज पर ही विचारणीय है। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। (4) संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिए उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1918/24 (C)

@CPRONCR North central railways cproncrly CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

उत्तर मध्य रेलवे

ई-निविदा सं.: पी0आर0वाई0जे0-सिग-030-2024-25 दिनांकः 28.10.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से मंडल रेल प्रबन्धक/संकेत एवं दूरसंचार/उत्तर मध्य रेल प्रयागराज द्वारा ई-टेन्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये खुली निविदा, ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः-

निविदा नं0: 030	अनुमानित मूल्य : ₹ 39525572.44

कार्य का विवरणः (ए) प्रयागराज मंडल के विन्ध्याचल से ब्लाक हट-के और चुनार से चोपन तक सहायक मण्डल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/मिर्जापुर के पूरे अनुभाग का अनुभागीय सिगनलिंग रख रखाव, (बी) अथसराय से प्रेमपुर तक सहायक मण्डल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/फतेहपुर के पूरे अनुभाग का अनुभागीय सिगनलिंग रख रखाव एवं (सी) सैयद सरॉवा से अथसराय एवं छिवकी से विन्ध्याचल तक सहायक मण्डल संकेत एवं दूर संचार अभियन्ता/पूर्व/प्रयागराज के पूरे अनुभाग का अनुभागीय सिगनलिंग रख रखाव का चौबीस माह (24) के लिय अनुबन्ध।

बिड सिक्यूरिटीः ₹ 347600.00	निविदा प्रपत्र का मूल्यः ₹ 0.00
कार्य समापन की अवधिः चौबीस माह	निविदा खुलने की तिथिः 02.12.2024

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धताः निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। निविदा खुलने का समय, तथा स्थानः निविदा पूर्व निर्धारित तिथि 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। 1916/24 (A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

यहूदी धर्म छोड़कर हिंदू बनने जा रही हूं...ईशा बेंजामिनः प्रयागराज में किन्नर अखाड़े में महंत बनेंगी, अमेरिकन बैंक में करती हैं नौकरी

प्रयागराज। यहूदी परिवार में जन्म लेने वाली ट्रांसजेंडर ईशा बेंजामिन अब हिंदू धर्म अपनाने जा रही हैं। महाकुंभ से पहले वह किन्नर अखाड़ा में महंत बनेंगी। अखाड़े की तरफ से उनका पट्टाभिषेक किया जाएगा। किन्नर अखाड़े के जरिए वह सनातन धर्म अपना रही हैं। किन्नर अखाड़े की आचार्य महामंडलेश्वर के साथ वह प्रयागराज आई हैं। 3 नवंबर को नगर प्रवेश में वह भी शामिल थीं। ईशा कहती हैं – मैं जन्म से ही यहूदी धर्म को मानती रही। मां हिंदू धर्म से और पिता यहूदी थे। मेरा ज्यादातर समय मां के साथ बीता है। ईशा पोस्ट ग्रेजुएट हैं। वह अमेरिकन बैंक FIS में कार्यरत हैं। वह महाराष्ट्र से आती हैं। बातचीत में उन्होंने कहा– मां के हिंदू होने की वजह से सनातन धर्म की ओर शुरू से झुकाव था। सनातन धर्म के बारे में मां से बहुत कुछ सीखा और जाना। मैं 3 साल पहले किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी के संपर्क में आई।

उसके बाद से सनातन धर्म के बारे में बहुत कुछ जानकारी हुई है। उन्होंने कहा– किन्नर अखाड़े में शामिल होकर सनातन धर्म का प्रचार–प्रसार करूंगी। हिंदू धर्म में क्यों आई हैं? उन्होंने कहा– मैंने धर्मों के बारे में पढ़ा। मुझे हिंदू धर्म सबसे अच्छा लगा। इस धर्म में खुलकर जीने की आजादी है। जब मेरे पिता जी थे, तब मैं यहूदी धर्म का विरोध नहीं कर सकती थी। पिता जी के निधन के बाद हमने सनातन धर्म को अपना लिया है। किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने कहा– ईशा पढ़ी–लिखी हैं और वह सनातन धर्म के बारे में बहुत कुछ जानती हैं। महाकुंभ में ईशा बेंजामिन को किन्नर अखाड़ा का महंत बनाया जाएगा। जगद्गुरु स्वामी नारायणाचार्य शांडिल्य महाराज ने किन्नर अखाड़ा की इस पहल का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि आज सनातन धर्म को मजबूती और प्रचार–प्रसार की जरूरत है, इसके लिए किन्नर अखाड़ा की पहल सराहनीय है। उत्तर प्रदेश किन्नर वेलफेयर बोर्ड की वरिष्ठ सदस्य और किन्नर अखाड़ा की प्रदेश अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी कौशल्यानंद गिरि (टीना मां), महामंडलेश्वर पवित्रा नंद गिरी, महामंडलेश्वर स्वामी गायत्री नंद गिरि, राजीव कुमार मिश्र, प्रधानाचार्य डॉ. हरिप्रकाश यादव ने ईशा बेंजामिन का प्रयागराज में स्वागत किया।

फूलपुर में अखिलेश की जनसभा 9 या 10 नवंबर कोसपा प्रमुख के आने से बदलेगी सियासत, पदाधिकारी तैयारियों में जुटे

प्रयागराज। प्रयागराज की फूलपुर विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को देखते हुए भाजपा के तमाम कैबिनेट मंत्री क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री व सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव भी फूलपुर विधानसभा क्षेत्र में बड़ी जनसभा करने आ रहे हैं। अभी 9 या 10 नवंबर को यहां आने के संकेत मिले हैं। पार्टी के पदाधिकारी जनसभा स्थल पर पहुंचकर तैयारियों को देख रहे हैं। बाबूगंज के पास स्थित हाईवे के किनारे स्थान चिह्नित किया जा रहा है। अखिलेश के आने के बाद यहां की सियासत और बदलेगी। फूलपुर उपचुनाव के प्रभारी व सपा के राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज खुद जनसभा स्थल पहुंचकर रूपरेखा तैयार कर रहे हैं। जहां पर जनसभा होनी है वहीं पर सपा के राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज ने पदाधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। दरअसल, बीते लोकसभा चुनाव के पहले 19 मई को अखिलेश यादव व राहुल गांधी संयुक्त रूप से फूलपुर लोकसभा सीट के पड़िला महादेव के पास बड़ी जनसभा करने पहुंचे थे। लेकिन दोनों नेताओं के मंच पर पहुंचते ही पार्टी के कार्यकर्ता ही बैरिकेंटिंग को तोड़ते हुए मंच पर जाने का प्रयास करने लगे। इससे स्थिति बिगड़ गई। इसके बाद अखिलेश यादव व राहुल गांधी ने बिना जनसभा को संबोधित किए तुरंत वापस जाना पड़ा था। राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव 9 या 10 नवंबर को फूलपुर क्षेत्र में जनसभा करने आ रहे हैं। इसके लिए हम लोग तैयारियों में जुटे हैं। पदाधिकारियों के साथ लगातार समीक्षा की जा रही है। उम्मीद है इसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचेंगे।

इरफान सोलंकी मामले में कल होगी हाईकोर्ट में सुनवाईः राज्य सरकार और इरफान सोलंकी को अमेंडमेंट एप्लीकेशन दाखिल करने का समय दिया गया

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मंगलवार को कानपुर के सीसामऊ से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की सजा के खिलाफ अपील और जमानत पर सुनवाई टल गई। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इरफान सोलंकी और राज्य सरकार को संशोधन आवेदन दाखिल करने के लिए समय दिया है। राज्य सरकार और इरफान सोलंकी की तरफ से 1 जुलाई से लागू हुए नए कानून के तहत अमेंडमेंट एप्लीकेशन दाखिल करने के लिए समय मांगा गया था। इसी पर कोर्ट ने सुनवाई टालते हुए दोनों को समय दिया। अब मामले की सुनवाई कल बुधवार को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट को जमानत पर 10 दिन के अंदर सुनवाई करने का निर्देश दिया था। आदेश के परिपेक्ष्य में हाईकोर्ट में लिस्टिंग एप्लिकेशन डाली गई। जिस पर सुनवाई के बाद अदालत ने जमानत पर सुनवाई के लिए पांच नवंबर की तिथि तय की थी। अब छह नवंबर को सुनवाई होगी। सोलंकी बंधुओं पर कानपुर की एक महिला का घर जलाने के केस में अदालत ने सात साल कैद की सजा सुनाई है। जिसे उन्होंने अपील में चुनौती दी है। सात साल की कैद की सजा को उम्रकैद में तब्दील करने की मांग में राज्य सरकार ने भी शासकीय अपील दाखिल की है। कानपुर की अदालत ने इरफान और अन्य के विरुद्ध सात साल की सजा सुनाई थी। अपील के लंबित रहने के दौरान जमानत पर रिहा करने की मांग की गई है। अब अपील पर इलाहाबाद हाईकोर्ट सुनवाई कर फैसला रिजर्व कर सकता है।

कार्तिक मासः इस्कॉन में श्रीवेणी माधव श्रीराधा रानी का आलौकिक श्रृंगार हुआ।

इविविः फॉर्म स्वीकार नहीं किया जाएगा

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की जनसंपर्क अधिकारी जया कपूर ने बताया कि पी०जी०, लॉ, प्रोफेशनल कोर्स के प्रथम, तृतीय, पंचम, सातवें एवं नौवे सेमेस्टर के भूतपूर्व छात्र– छात्राएं जो सत्र 2024–25 की परीक्षा के लिए अर्ह हैं, उनको सूचित किया जाता हैं कि आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि जो पहले 4 नवंबर, 2024 थी, को बढाकर 8 नवंबर, 2024 कर दिया गया हैं। सभी अपना आवेदन फॉर्म निर्धारित शुल्क के साथ दिनांक 8 नवंबर, 2024 तक संबंधित विभाग इकाई में अवश्य जमा कर दे। उक्त तिथि के पश्चात कोई भी फॉर्म स्वीकार नहीं किया जाएगा।

श्रीपंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण ने प्रयाग नगर प्रवेश किया।

प्रयागराज। उत्तराखंड कनखल हरिद्वार से चलकर प्रयागराज आगमन पर श्रीपंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्माण के भ्रमण शील साधु महंतों की मंडली का मुट्ठीगंज स्थित श्रीपंचायती अखाड़ा नया उदासीन निर्वाण की शाखा के प्रांगण में गोलघर व्यापार मंडल के व्यापारियों एवं सम्मानित नागरिकों के द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया और सभी साधु महंतों का चरण वंदन किया। अखाड़े के सचिव महंत जगतार मुनि ने बताया कि अखाड़ा के मुखिया महंत भगत राम, मुखिया महंत जखीरा प्रबंधक महंत आकाश मुनि जी, अध्यक्ष महंत धूनी दास जी, महंत नारायण दास (दिल्ली), महंत भगवान दास (अलीगढ़) एवं पंजाब के साधु संतों का आगमन हुआ है जो 2025 महाकुंभ के के अंतर्गत अखाड़े के द्वारा होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी करेंगे और मां गंगा से राष्ट्र समाज एवं भारतीय सनातन संस्कृति की कल्याण की कामना करेंगे। महंत जगतार मुनी, उमेश चंद्र केसरवानी दादा, सुशील चंद्र बच्चा नेता, संतोष अग्रहरि, राजेश केसरवानी, रवि केसरवानी ,छोटका बड़का, दिलीप केसरवानी ने स्वागत किया।

भाजपा को वोट दे

प्रयागराज। मंगलवार को महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी ने आगामी फूलपुर विधानसभा उपचुनाव के निमित्त वार्ड नंबर 6 कनिहार के ग्राम हावासपुर एवं हनुमानगंज बाजार में डोर टू डोर जनसम्पर्क कर भाजपा प्रत्याशी दीपक पटेल के जन समर्थन में आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि फूलपुर विधानसभा कि जीत पूरे उत्तर प्रदेश में ऐतिहासिक जीत होगी। जिसके तहत नगर निगम का विस्तारिक क्षेत्र फूलपुर विधानसभा के सभी 10 वार्डो में भाजपा को अधिक से अधिक मत प्राप्त होंगे।

पीडीए के कार्यों पर मंडलायुक्त ने उठाए सवालः सड़कों के चौड़ीकरण में खामियों की भरमार, गुणवत्ता में कमी पर भी जताई नाराजगी

प्रयागराज। प्रयागराज में महाकुंभ को देखते हुए सड़कों के चौड़ीकरण का कार्य कराया जा रहा है। शहर के अंदर सड़कों के चौड़ीकरण की जिम्मेदारी प्रयागराज विकास प्राधिकरण यानी पीडीए को दी गई है। पीडीए की तरफ से अब तक 12 सड़कों का कार्य पूरा किया जा चुका है। ऐसे में मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने सड़कों के चौड़ीकरण और उनके सौदर्यीकरण के विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया। जहां निर्माण कार्यों में गड़बड़ी देखने को मिली। इस पर मंडलायुक्त ने पीडीए के मुख्य अभियंता को संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई के कड़े निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने महाकुंभ को लेकर चल रहे निर्माण कार्य के निरीक्षण की शुरूआत आईईआरटी (तेलियरगंज) से अपट्रान चौराहे से की। इसके बाद उन्होंने गोविंदपुर से सलोरी, सादियाबाद रोड पर कराए जा रहे सड़क चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण के कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई जगह सिविल वर्क्स में गुणवत्ता में कमी पाई गई। कई जगह जीएसबी कॉम्पैक्शन, ईंटों की चुनाई तथा प्रयोग किये गये मिक्स्चर का अनुपात मानक के अनुरूप नहीं मिला। इनके पास में बनाए जा रहे नाले के आरसीसी वर्क एवं अलाइनमेंट में भी कमी पाई गई। जिस पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जाहिर की। इसके साथ ही रामप्रिया रोड से छोटा बघाड़ा से बख्शी बांध रोड पर कराए जा रहे कार्यों के निरीक्षण के दौरान वहां भी कार्यों की गुणवत्ता में कमी पाई गई। कई स्थानों पर बिटुमिन वर्क पर्ट चार्ट से पीछे चल रहा था तथा पैचिंग की आवश्यकता थी। दोनों ही सड़कों के कई स्थानों पर सीवर लाइन एवं वाटर लाइन टूटी पाई गई तथा पानी सड़क पर ओवर फ्लो हो रहा था। इसके कारण स्थानीय लोगों में भी आक्रोश देखने को मिला। मंडलायुक्त ने हाई कोर्ट रोड पर कराए जा रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया। जहां पानी की टंकी की तरफ सड़क निर्माण कार्य धीमा पाया गया।

भगवान भास्कर को अर्घ्य देकर शुरू हुआ महापर्व

प्रयागराज। लोक आस्था का महापर्व छठ मंगलवार को नहाए खाए के साथ शुरू हो गया। सूर्योदय से पहले ही संगम से लेकर रामघाट और बलुआघाट बारादरी से लेकर अरैल तक लोगों की भीड़ पहुंचने लगी थी। स्नान से पहले भगवान भास्कर का आहवान करते हुए लोगों ने अर्घ्य दिया। घाटों पर स्नान करने का सिलसिला सुबह दस बजे तक अनवरत चलता रहा। महिलाओं ने भगवान से अपने संतान की खुशहाली और परिजनों की सुख समृद्धि की कामना की तो घरों में भी सात्विक प्रसाद ग्रहण करने के लिए अरवा चावल, चना की दाल और कद्दू की सब्जी बनाया जाने लगा।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062